Total Pages : 4

K-429

शास्त्री (भाग एक) परीक्षा, 2021

(ख-वर्ग विषये)

हिन्दी

[अष्टम् प्रश्नपत्रम् (वैकल्पिक)]

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

Minimum Passing Marks : 33

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : [15]

(क) "वह लालसा जो आज सात वर्ष हुए, उसके हृदय में अंकुरित हुई थी, जो इस समय पुष्प और पल्लव से लदी खड़ी थी, उस पर वज्रपात हो गया। वह हरा-भरा लहलहाता हुआ पौधा जल गया? केवल उसकी राख रह गई। आज ही के दिन पर तो उसकी समस्त आशाएं अवलंबित थीं। दुर्देव ने आज वह अवलंब भी छीन लिया।"

अथवा

''मैं ईश्वर को नहीं मानता, मैं पाप को नहीं मानता, मैं दया को नहीं समझ सकता, मैं उस लोक में विश्वास नहीं करता। पर मुझे अपने हृदय में एक दुर्बल अंश पर श्रद्धा हो चली है। तुम न जाने कैसे एक बहकी हुई तारिका के समान मेरे शून्य हृदय में उदित हो गई हो। आलोक की एक कोमल रेखा इस निविड़ तम में मुस्कराने लगी।''

(ख) ''चोर से ज्यादा फिक्र थी आबरू की। किवाड़ न रहने पर पर्दा ही आबरू का रखवाला था। वह पर्दा भी तार-तार होते एक रात आंधी में किसी भी हालत में लटकने लायक न रह गया। दूसरे दिन घर की एकमात्र पुश्तैनी चीज दरी दरवाजे पर लटक गई।''

अथवा

''भरा-पूरा घर छोड़कर गया था और आज यहाँ यह मिट्टी देखने आया हूँ। बस घर की आज यही निशानी रह गयी है। तू सच पूछे, तो मेरा यह मिट्टी भी छोड़कर जाने का मन नहीं करता।''

(ग) ''मिस्टर शामनाथ चुप रहे। यह मौका बहस का न था। समस्या का हल ढूँढ़ने का था। उन्होंने घूमकर माँ की कोठरी की ओर देखा। कोठरी का दरवाजा बरामदे में खुलता था। बरामदे की ओर देखते ही झट बोले - मैंने सोच लिया है और उन्हीं कदमों माँ की कोठरी के बाहर

जा खड़े हुए। माँ दीवार के साथ एक चौकी पर बैठी, दुपट्टे में मुंह-सिर लपेटे माला जप रही थीं। सुबह से तैयारी होती देखते हुए माँ का दिल भी धड़क रहा था।''

अथवा

''वह ऊपर से नीचे तक झनझना उठा। पचास साल का वह लम्बा खादी गूजर, जिसकी मूँछें खिचड़ी हो चुकी थीं, छप्पर तक पहुँचा सा लगता था। उसके कन्धे की चौड़ी हड्डियों पर अब दीये का हल्का प्रकाश पड़ रहा था, उसके सिर पर मोटी फतूही थी और धोती घुटनों के नीचे उतरने के पहले ही झूल देकर चुस्त-सी ऊपर की ओर लौट आती थी। उसका हाथ कर्रा था और वह इस समय निस्तब्ध खड़ा था।''

2. 'गबन' उपन्यास के नामकरण की सार्थकता पर प्रकाश डालते हुए 'जालपा' का चरित्र-चित्रण कीजिए। [15]

अथवा

'कफन' कहानी का कहानी के तत्त्वों के आधार पर विश्लेषण कीजिए।

3. 'आकाशदीप' कहानी की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। [15]

अथवा

कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'परदा' कहानी की समीक्षा कीजिए।

4. 'ठेस' कहानी का सारांश प्रस्तुत करते हुए सिरचन का चरित्र-चित्रण कीजिए। [10]

अथवा

'चीफ की दावत' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए शामनाथ का चरित्र-चित्रण कीजिए।

5. **किन्हीं तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : [15]

(क) उपेन्द्रनाथ अश्क का साहित्यिक परिचय

(ख) शिवानी की लेखन कला

(ग) बाल शौरि रेड्डी की रचनाओं का परिचय

(घ) कहानी में जयशंकर प्रसाद का योगदान

----x----